झालावाड़ के सारोला कलां में 140 किलो चांदी, एक किलो सोना सहित नगदी ले गये डकैत

हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर करोड़ों की डकैती की वारदात को अंजाम दिया

झालावाड़, (निसं)। जिले के सारोला कलां कस्बे में शनिवार देर रात उस समय दहशत फैल गई, जब हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में घुसकर डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने परिवार के सदस्यों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाया, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ मारपीट की और 140 किलो चांदी एक किलो सोना लाखों रुपए की नकदी

■ **बदमाश घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात से भरे 7 से 8 पीपे और करीब 10 लाख रुपए की नकदी ले गये**

लूटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार वारदात रात करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है। पीड़ित महेश सोनी अपनी पत्नी उषा सोनी के साथ मकान की छत पर सो रहे थे, जबकि नीचे कमरे में उनकी मां कृष्णा सोनी, बहन नीतू सोनी, भाई आनंद सोनी और बीमार पिता बद्रीलाल सोनी मौजूद थे। इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक बदमाश घर में घुस आए और परिवार को हथियार दिखाकर कब्जे में ले लिया। पीड़ित परिवार के अनुसार बदमाशों ने घर में जमकर उत्पात मचाया। महिलाओं के गले से मंगलसूत्र और चेन छीन ली गई। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और कमरे में बंद कर दिया गया। बदमाशों ने घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात से भरे 7 से 8 पीपे और करीब 10 लाख रुपए की नकदी समेट ली। घटना के दौरान घर में मौजूद बुजुर्ग बद्रीलाल सोनी के साथ भी मारपीट की गई। परिवार के लोगों ने बताया कि बदमाश बेहद आक्रामक थे और लगातार हथियार दिखाकर धमकाते रहे। उधर, नीचे से आवाजें सुनकर जब महेश सोनी और उनकी पत्नी छत से नीचे पहुंचे तो अंदर से गेट बंद मिला। काफी मशक्कत के बाद गेट तोड़कर अंदर पहुंचे, तब तक बदमाश सामान लेकर भाग रहे थे। परिवार ने बदमाशों को हाथों में पीपे लेकर भागते हुए देखा। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने आसपास के कुछ मकानों के ताले भी तोड़ दिए, जिससे पूरे कस्बे में भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हुआ और देर रात ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

डीएसटी टीम, मोबाइल इन्वेस्टिगेशन यूनिट और एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

अमित बुढ़ानिया, जिला पुलिस अधीक्षक, झालावाड़ का कहना है पुलिस की टीमें लगातार मामले की जांच में जुटी हुई है सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर इन्वेस्टिगेशन की जा रही है। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार करेंगे।

लूट की वारदात के बाद पुलिस टीम ने घटना स्थल का जायजा लिया।

घर को निशाना बनाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया।

मुकुंदगढ़ में सड़क हादसे में मेडिकल स्टूडेंट की मौत

स्कार्पियो ने डिवाइडर पार कर बाइक को टक्कर मार दी थी

मुकुंदगढ़, (निसं)। कस्बे के पूनियां बास के पास दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक स्कॉर्पियो कार ने डिवाइडर कूदकर बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो झुंझुनूं से मुकुंगढ़ की ओर आ रही थी, जबकि बाइक सवार नवलगढ़ से झुंझुनूं की ओर जा रहा था। बस स्टैंड के पास अचानक स्कॉर्पियो डिवाइडर पार कर झुंझुनूं की ओर जा रहे बाइक सवार से जा टकराई। हादसे में घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने तुरंत मुकुंगढ़ सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राकेश कुमार पुत्र जुगुल किशोर (36), निवासी बाय नवलगढ़ के रूप में हुई है। राकेश कुमार मेडिकल डिप्लोमा कर रहा था और जो प्रेक्टिकल देने के लिए बगड़ जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही यह हादसा हो गया। हादसे में स्कॉर्पियो में चालक सहित दो महिला भी घायल हुई। जिन्हें मुकुंगढ़ सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। राकेश कुमार विवाहित था। और उसके दो बेटे हैं। हादसे में स्कॉर्पियो और बाइक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलते ही मुकुंगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

कार की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सुखेर थाना क्षेत्र में कार की टक्कर से ऑटो पलट गया। हादसे में निचे दबने से चालक की मौत हो गई तथा साथी घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कुमार पुत्र कन्हेयालाल निवासी भुपालपुरा व साथी अनिल चावला दोनों स्क्रेप खरीदने के लिए गए थे। जहां से लौटते समय ढाबा लोजली कट राष्ट्रीय राजमार्ग पर राजसमन्द की तरफ से आ रही कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। जिससे स्क्रेप से भरा ऑटो पलट गया। हादसे में निचे दबने से चालक व साथी घायल हो गए। जिन्हें निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां चालक विजय की मौत हो गई।

उदयपुर में एक लाख रुपये की रिश्वत लेते ए.एस.आई. गिरफ्तार

उदयपुर/जयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चौकी उदयपुर की टीम ने छेड़छाड़ मामले का केस दर्ज नहीं करने के एवज में पीड़ित से एक लाख रूपये रिश्वत लेते प्रतापनगर थाने के एएसआई सुनील विश्नोई को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपित पुलिसकर्मी पर छेड़छाड़ और बलात्कार का मामला दर्ज नहीं करने तथा राजीनामा करवाने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक पुलिस एस परमिला के निर्देशन में एएसआई सुनील विश्नोई से पूछताछ एवं अग्रिम जांच के अलावा उसके मकान की गहन तलाशी ली जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर को 9 मई को शिकायत मिली थी। जिसमें परिवादी की एक युवती से साधारण नोकझोक के मामले में थाना प्रतापनगर के एएसआई सुनील विश्नोई, कांस्टेबल शंकरलाल, बनवारीलाल द्वारा परिवादी को थाने पर बुलाकर युवती द्वारा छेड़छाड़ एवं बलात्कार की रिपोर्ट देना बताते हुए प्रकरण दर्ज नहीं करने एवं दोनों पक्षों में राजीनामा करवाने के नाम पर 3 लाख रूपयों की मांग की जा रही है। परिवादी द्वारा हाथा-जोड़ी करने पर अंतिम रूप से 1 लाख 30 हजार रूपये की मांग तय की गई। उक्त शिकायत का ब्यूरो चौकी उदयपुर की टीम द्वारा सत्यापन करवाया गया तो सुनील विश्नोई एएसआई सत्यापन के दौरान 25 हजार रूपये नकद प्राप्त किये गये तथा 5 हजार रूपये की मांग कम करते हुए शेष 1 लाख रूपये शीघ्र इंतजाम कर उपलब्ध करावाये जाने के लिए कहा गया। इस पर डॉ. रामेश्वरसिंह उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पर्यवेक्षण में कार्यवाही करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनन्त कुमार मय टीम ने ऑर्बिट रिसोर्ट न्यू भुपालपुरा उदयपुर की कार पार्किंग से प्रतापनगर थाने के एएसआई सुनील विश्नोई को एक लाख रूपये रिश्वते लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाने का एएसआई सुनील विश्नोई

■ **छेड़छाड़ के मामले में केस दर्ज नहीं करने की एवज में मांगी थी रिश्वत**

पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी सहित तीन की सड़क हादसे में मौत

मां और छोटे भाई की हादसे में मौत हो गई, बीमार मां को फेरी दिलवाने के लिये बुटाटी ले जा रहे थे

पाली, (निसं)। पाली में हुए कई बड़े अपराधों का राज खोलने में अहम भूमिका निभाने वाले पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी, उसकी मां और तीन महीने पहले जिस छोटे भाई का मुकलावा करवाया था, उसकी और उसकी पत्नी की सड़क हादसे में रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दर्दनाक मौत हो गई। सभी पड़ौसी की वैन लेकर नागौर जिले के बुटाटी बीमार मां को फेरी दिलवाने ले जा रहे थे, लेकिन बुटाटी से चंद दूरी पहले चकणाढ़ी (कुचेरा) के पास उनकी वैन सामने से आ रही रोडवेज से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि उसमें सवार पाली पुलिस के सायबर एक्सपर्ट अमरीश पुरी, उसकी मां रूकमादेवी और छोटा भाई उमेश पुरी और उसकी 22 साल की पत्नी नीतू की दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में मृतक अमरीश पुरी की पत्नी जशोदा, बेटी मानसी, बेटा वेदान्स और पिता संतोषपुरी गंभीर घायल हो गए। जिनका जोधपुर में इलाज जारी है। सभी जोधपुर जिले के रावनियाना बोरूंदा के रहने वाले हैं।

पाली पुलिस की सायबर सैल में तैनात कांस्टेबल अमरीश पुरी साल 2018 बैंच का कांस्टेबल था। वर्तमान में वह पाली एसपी ऑफिस परिसर में बनी सायबर सैल में तैनात था। उसने कोतवाली, डीएसटी में भी ड्यूटी की थी। पिछले करीब चार साल से सायबर सैल में तैनात था। जिसने चोरी, लूट, मर्डर जैसे कई महत्वपूर्ण केस के खुलासा करने में सायबर टीम की ओर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सायबर सैल के गौतम आचार्य ने बताया कि अमरीश पुरी हार्डवर्कर और हंसमुख स्वभाव का था। उसकी अचानक हुई मौत से पूरा पाली का पुलिस महकमा शोक में है। हादसे की खबर सूनने के बाद पाली पुलिस के कई पुलिसकर्मियों ने मृतक अमरीश पुरी की अकाल मौत पर शोक जताया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उसकी फोटो लगाकर उसकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

जानकारी के अनुसार अमरीश पुरी की 50 वर्षीय मां रूकमादेवी को लकवे की शिकायत थी। ऐसे में अमरीश पुरी और उसके छोटे भाई उमेश पुरी की फैमेली रविवार सुबह करीब छह बजे रावनियाना गांव से पड़ौसी से उसकी ईको वैन मांगकर बुटाटी के लिए रवाना हुए थे। सुबह करीब साढ़े सात बजे वे कुचेरा थाना क्षेत्र में हाईवे पर उनकी गाड़ी सामने से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई। मृतक उमेश पुरी उर्फ आकाश पुत्र संतोषपुरी गोस्वामी का मुकलावा करीब तीन महीने पहले ही हुआ था। उसकी शादी चिरपटिया गांव निवासी नीतू से हुई थी। दोनों पति-पत्नी भी परिवार के साथ वैन में सवार थे। लेकिन इस हादसे में नव दम्पती की भी दर्दनाक मौत हो गई। मृतक उमेश पुरी का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी में चयन हुआ था। उसे तीन दिन बाद ही ज्वॉइन करना था। बेटे की सरकारी नौकरी लगने से पूरा परिवार खुश था, लेकिन इस हादसे में परिवार के चार सदस्यों की अकाल मौत हो गई और परिवार के चार सदस्य गंभीर घायल हो गए।

अजमेर : शादी की रंजिश में युवक का अपहरण

अजमेर, (निसं)। जिले के गेगल थाना क्षेत्र में शादी की रंजिश को लेकर युवक के अपहरण और अमानवीय यातनाएं देने का मामला सामने आया है। गगवाना क्षेत्र से दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर उसे बीर गांव ले जाया गया, जहां आरोपियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, बाल काट दिए तथा अमानवीय यातनाएं देने का भी आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और महज 12 घंटे के भीतर महिला सहित 9 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

घटना सामने आने के बाद पीड़ित के परिजन बड़ी संख्या में गेगल थाने पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण वृत्ताधिकारी रामचंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष दल गठित किए। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. लालचंद कायल तथा ग्रामीण वृत्ताधिकारी रामचंद्र चौधरी के निर्देशन में गेगल थाना प्रभारी नरपत बाना के नेतृत्व में गेगल, नसीराबाद, श्रीनगर, जिला विशेष टीम और सायबर शाखा की संयुक्त टीमों ने कार्रवाई करते हुए 12 घंटे में 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रकाशनाथ, रविंद्रनाथ, रामलाल, हेमराजनाथ, विक्रमनाथ, देवीलाल, गौरूनाथ, शायरी और सुगना शामिल हैं।

पीड़ित जीतू ने पुलिस को बताया कि वह लकड़ी काटने का काम करता है। 16 मई की सुबह वह अपने ठेकेदार रफीक मोहम्मद के साथ गगवाना में खेत पर लकड़ी काट रहा था। इसी दौरान एक पिकअप वाहन में आए बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और जबरन वाहन में डालकर बीर गांव ले गए। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसे एक स्थान पर बंधक बनाकर रखा। आरोप है कि उसे अमानवीय यातनाएं भी दी। आरोपियों ने पीड़िता के परिजनों को फोन कर सामाजिक विवाद निपटाने के नाम पर पांच लाख रुपए की मांग भी की और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी।

परिजनों के अनुसार विवाद एक महिला के पुनर्विवाह को लेकर चल रहा था। महिला की पहले बीर गांव निवासी महेंद्र से शादी हुई थी, बाद में दोनों का तलाक हो गया। करीब पांच महीने पहले पीड़ित ने उस महिला से पुनर्विवाह कर लिया। महिला के पूर्व ससुराल पक्ष के लोग इस विवाह से नाराज थे और इसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया।

जिला पुलिस ने बताया कि मामले में प्रयुक्त वाहन जब्त कर लिए गए हैं। फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है तथा पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

अजमेर में कबाड़ गोदाम पर पेट्रोल बम से हमला

अजमेर, (निसं)। क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र के लोहागल में एक कबाड़ गोदाम पर पेट्रोल बम से हमला करने का मामला सामने आया है। देर रात हुई आगजनी में गोदाम में रखा लाखों रुपए का कबाड़ तथा एक पिकअप वाहन जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। पीड़ित ने करीब 20 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है। पुलिस ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी अब भी फरार है।

■ **पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा**

वृत्ताधिकारी शिवम जोशी ने बताया कि लोहागल निवासी असरुदीन खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मई की रात वह गोदाम बंद कर घर चला गया था। रात करीब पौने तीन बजे बिना नंबर की एक कार में चार बदमाश वहां पहुंचे और गोदाम व पिकअप वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोगों को सूचना देने और पीड़ित के मौके पर पहुंचने तक गोदाम में रखा सामान पूरी तरह जल चुका था। पूरी घटना गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मामले की जांच के लिए विशेष पुलिस दल का गठन किया गया। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने पंचशील नगर स्थित एक आवासीय परिसर तथा घूघरा क्षेत्र में दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हितेश सोलंकी निवासी ब्यावर, अंकित वैष्णव निवासी नागौर और नरेंद्र सिंह निवासी नागौर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस के अनुसार पीड़ित के भाई और मुख्य आरोपी के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते गोदाम में आग लगाने की साजिश रची गई। फरार मुख्य आरोपी और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है।

माता-पिता ने विवाहिता बेटी का अन्यत्र विवाह कराया

माण्डलगढ़, (निसं)। बीगोद थाना क्षेत्र में कथित रूप से अन्यत्र नाता विवाह कराने के दबाव में माता-पिता ने अपनी ही बेटी का सात माह का गर्भ गिरवा दिया। बेटी के पति ने इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ बीगोद थाने में अदालत के आदेश पर नामजद मामला दर्ज कराया है, लेकिन मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों को दो सप्ताह बाद भी नहीं पकड़ पाई हैं।

बीगोद निवासी उदयलाल कीर ने आरोप लगाया कि रेणा पुत्री शंभूलाल कीर निवासी गाडर माला हाल मुकाम सांगानेर भीलवाड़ा का नाता विवाह 26 जून 2025 को उदयलाल कीर के साथ हुआ था और विवाह के पश्यात रेणा करीब सात माह की गर्भवती थी। आरोप है कि रेणा के माता-पिता विवाह के बाद उसे लगातार उसके पति उदयलाल के खिलाफ भड़कते आ रहे थे, जिससे दोनों पति-पत्नी में आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता था। बीते फरवरी माह में रेणा माता अनचि देवी उसके ससुराल बीगोद आई और गर्भवती बेटी को बहला फुसलाकर साथ ले गई और बेटी पर अन्यत्र नाता विवाह करने के लिए दबाव बनाने लगी। जब पीड़िता और उसके पति ने इसका विरोध किया तो कथित रूप से परिजनों ने उसका जबरन सात माह के बच्चे का गर्भपात करा दिया और ससुराल वालों ने दामाद के ख़िलाफ़ भीलवाड़ा स्थित महिला पुलिस थाने में घरेलू हिंसा का झूठा मामला दर्ज करा दिया।

इस घटना की जानकारी पति उदयलाल को लगी तो वह सांगानेर पहुंचा। इस दौरान ससुराल वालों ने दबाव बनाकर उदयलाल से राजीनामे पर एक लाख रुपए उदयलाल से लेकर रेणा का तलाक करा दिया और रेणा के गर्भ में पल रहे सात माह के बच्चे के जन्म देने के बाद पिता उदयलाल को सौंपने का स्टाम्प पेपर पर इकरारनामा लिख कर उदयलाल को दे दिया। इसके बाद पीछे से गर्भवती रेणा का जबरन गर्भपात करा कर अन्यत्र नाता विवाह माता पिता ने करा दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित पति उदयलाल ने बीगोद थाना, भीलवाड़ा एसपी को रिपोर्ट पेश की, लेकिन परिवादी का मामला दर्ज ही नहीं किया गया। फिर पीड़ित ने माण्डलगढ़ न्यायालय में इस्तगासे के माध्यम से बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया हैं। पीड़ित का आरोप है कि घटना को कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस न तो आरोपियों तक पहुंच पाई है और न ही गर्भपात कराने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि सात माह का गर्भ गिराया जाना गंभीर अपराध है, पुलिस की धीमी कार्रवाई से आरोपियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो साक्ष्यों से छेड़छाड़ की जा सकती हैं।

पुलिस का कहना है कि कोर्ट के

आदेश पर परिवादी का मामला दर्ज कर

जांच शुरू कर दी गई है तथा सभी पहलुओं

नाकाबंदी तोड़ भाग रहे बदमाशों का पीछा करते नवलगढ़ पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराई, कांस्टेबल की मौत

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के गोठड़ा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने समय दर्दनाक हादसे में नवलगढ़ पुलिस थाने के वाहन चालक कांस्टेबल भींवाराम निर्मल शहीद हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग व आमजन में शोक की लहर दौड़ गई। बदमाशों के पीछे लगी नवलगढ़ पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें सवार चालक कांस्टेबल भींवाराम निर्मल व नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें हाथों-हाथ नवलगढ़ जिला अस्पताल लाया गया, जहां से कांस्टेबल भींवाराम की गंभीर स्थिति देखते हुए सीकर रैफर किया गया। लेकिन सीकर अस्पताल में पहुंचने के कुछ देर बाद ही भींवाराम का निधन हो गया। नवलगढ़ सीआई अजय सिंह को भी गंभीर चोटें आई। उनके बाएं हाथ की कोहनी व कंधे के बीच की हड्डी में दो बड़े फ्रेक्चर हो गए। कच्चा प्लास्टर करने के बाद सीआई अजय सिंह को भी सीकर रैफर किया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद ऑपरेशन के लिए भर्ती किया।

जानकारी के अनुसार नवलगढ़ पुलिस को सीकर के दादिया थाना से सूचना मिली कि एक काले रंग की थार गाड़ी में सवार बदमाश नाकाबंदी तोड़कर नवलगढ़ की तरफ भागे हैं। सूचना मिलने ही नवलगढ़ पुलिस ने कृषि उपज मंडी के पास हाइवे पर बेरिकेड लगाए। उस समय थाने की गाड़ी में सीआई अजय सिंह व चालक भींवाराम मौके पर थे। बेरिकेड देखकर एक बार तो बदमाश दूसरी तरफ खेतों की ओर जाने वाली सड़क पर भागे। पुलिस ने पीछा किया तो वापस घूमकर नाकाबंदी तोड़ते हुए गोठड़ा रोड पकड़ी। जिस पर सुबह 5.34 बजे गोठड़ा थाने पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही गोठड़ा पुलिस थाने के पास मेन रोड पर बेरिकेड लगाए व रास्ते में एक ट्रेलर भी खड़ा कर दिया गया। बदमाश गाड़ी लेकर आए भी लेकिन बेरिकेड देखकर वापस गाड़ी घुमाकर गोठड़ा गांव में से होकर जा रही पुजारी की ढाणी कोलसिया रोड पर अपनी गाड़ी दौड़ाई। बदमाशों की गाड़ी के पीछे गोठड़ा थाने की 112 गाड़ी, दूसरी गाड़ी में गोठड़ा थानाधिकारी तथा तीसरी गाड़ी में पीछे से आ रहे नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह भी पीछा कर रहे थे। इसी दौरान पुजारी की ढाणी के पास रास्ते के मोड़ में नवलगढ़ थाने की गाड़ी पेड़ से टकरा गई। इसी दौरान बदमाशों की गाड़ी रास्ता भटककर पुजारी की ढाणी क्षेत्र के कंकेड़ जोहड़ में जाकर आगे रास्ता नहीं होने के कारण फंस गई। इसी दौरान ग्रामीणों ने दौड़कर गाड़ी में सवार तीन बदमाशों को दबोच लिया और पीछे से आई पुलिस के हवाले किया। ग्रामीणों ने बताया कि इसी दौरान एक बदमाश मौके से फरार हो गया। सूत्रों के अनुसार इन पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एक बदमाश पिलानी निवासी व दूसरा चूरू जिले के हमीरवास थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही झुंझुनूं एसपी कावेंद्र सिंह सागर व नवलगढ़ वृत्ताधिकारी एएसपी महावीर सिंह शेखावत नवलगढ़ जिला अस्पताल पहुंचे। जहां घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। एसपी के पहुंचने से पहले कांस्टेबल भींवाराम को सीकर रैफर कर दिया गया था व सीआई अजय सिंह नवलगढ़ में इलाज करवा रहे थे। दुर्घटना में घायल नवलगढ़ थाना अधिकारी सीआई अजय सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद सीकर रैफर किया गया। सीकर के अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उनके हाथ के ऑपरेशन के लिए भर्ती कर लिया, लेकिन भींवाराम के निधन की सूचना मिलते ही सीआई अजय सिंह अपने आपको रोक नहीं पाए और नवलगढ़ थाने पर पहुंचे। जहां भींवाराम की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इसके बाद भींवाराम के गांव भोड़की पहुंचकर उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। इस संपूर्ण घटनाक्रम में दुर्घटनाग्रस्त नवलगढ़ पुलिस थाने की गाड़ी व बदमाशों की काले रंग की हरियाणा नंबर की थार गाड़ी को जब्त करके गोठड़ा पुलिस थाने पर लाया गया।

पुलिस अधिकारियों ने हादसे में घायल सीआई की अस्पताल जाकर कुशलक्षेम पूछी।

कांस्टेबल भींवाराम

■ **नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें नवलगढ़ जिला अस्पताल लाया गया**

■ **पुलिस के आगे भाग रहे बदमाशों को ग्रामीणों ने दबोचकर दो को पुलिस के हवाले किया, एक फरार होने की सूचना**